Resource: मुख्य शब्द (अनफोल्डिंग वर्ड)

License Information

मुख्य शब्द (अनफोल्डिंग वर्ड) (Hindi) is based on: unfoldingWord® Translation Words, unfoldingWord, 2022, which is licensed under a CC BY-SA 4.0 license.

This PDF version is provided under the same license.

मुख्य शब्द (अनफोल्डिंग वर्ड)

वय

व्यभिचार, व्यभिचार, व्यर्थ, व्यवस्था, व्यवस्था, व्यवस्था पालन, व्याकुल

व्यभिचार

परिभाषा:

“व्यभिचार” शब्द उस पाप को संदेभित करता है जब कोई विवाहित मनुष्य किसी ऐसे मनुष्य से शारीरिक सम्बन्ध बनाता है जो उसका जीवन साथी नहीं है| दोनों ही व्यभिचार के दोषी हैं। “व्यभिचारी” शब्द ऐसे व्याहार या ऐसा पाप करने वाले मनुष्य का वर्णन करता है|

- "व्यभिचारी" शब्द सामान्यतः व्यभिचार करनेवाले मनुष्य के सन्दर्भ में काम में लिया जाता है।
- कभी-कभी, "व्यभिचारिणी" शब्द यह निश्चित दर्शाने के लिए काम में लिया जाता है कि व्यभिचार करने वाली स्त्री है|
- व्यभिचार में पति-पत्नी उनके विवाह की वाचा में की गई प्रतिज्ञाओं को तोड़ देते हैं।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी है कि वे व्यभिचार नहीं करें|

अनुवाद के सुझाव:

- यदि लक्षित भाषा में ऐसा कोई शब्द न हो जिसका अर्थ, "व्यभिचार" हो तो इस शब्द का अनुवाद एक ऐसे वाक्यांश से किया जा सकता है जैसे, "किसी और की पत्नी के साथ यौन संबन्ध बनाना” या “किसी और के जीवन साथी के साथ अन्तरंग संबन्ध बनाना”।
- कुछ भाषाओं में व्यभिचार को स्पष्ट व्यक्त नहीं किया जाता है जैसे, “किसी और के जीवन साथी के साथ सोना” या “अपनी पत्नी से विश्वासघात करना”। (देखें: व्यंजना)

(यह भी देखें: करना, वाचा, यौन अनैतिकता, के साथ सोना)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 20:14
- होशे 4:1–2
- लूका 16:18
- मत्ती 5:28
- मत्ती 12:39
- प्रकाशितवाक्य 02:22

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **13:6** "तू **व्यभिचार** न करना।"
- **28:2** **व्यभिचार** मत करना
- **34:7** “धार्मिक अगुवे ने अपने मन में इस तरह प्रार्थना की, ‘हे परमेश्वर मैं तेरा धन्यवाद करता हूँ कि मैं दूसरे मनुष्यों के समान अन्धेर करनेवाला, अन्यायी और **व्यभिचारी** नहीं, और न इस चुंगी लेने वाले के समान हूँ।’”

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H5003, H5004, G34280, G34290, G34300, G34310, G34320

व्यभिचार

परिभाषा:

“व्यभिचार” स्त्री या पुरुष के विवाह से अलग यौनाचार। यह परमेश्वर की योजना के विरूद्ध है पुरानी अंग्रेजी बाइबलों में इसे फोर्निकेशन (परस्त्रीगमन) कहा गया है।

- इस शब्द का अर्थ है परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध किसी भी प्रकार का यौन संबन्ध जिसमें समलैंगिक संबन्ध और अश्लील साहित्य भी है।
- एक प्रकार का अनैतिकता है व्यभिचार जो यौन संबन्ध खास तौर पर, कोई विवाहित व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति से रखता है जो उसका साथी नहीं है।
- एक और अनैतिक है वैश्यागमन जिसमें यौन संबन्ध के लिए पैसा दिया जाता है।
- इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में इस्राएल की मूर्तिपूजा के लिए काम में लिया गया है जो परमेश्वर से विश्वासघात है।

अनुवाद के सुझाव:

- "व्यभिचार" का अनुवाद अनैतिकता किया जा सकता है जब तक कि इस शब्द का सही अर्थ समझ में आए।
- इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, "अनुचित यौन संबन्ध" या "विवाहित संबन्ध के बाहर यौन संबन्ध"।
- इसका अनुवाद "व्यभिचार" से अलग शब्द में किया जाए।
- इसके प्रतीकात्मक उपयोग का अनुवाद में वहीं शब्द रखना उचित है क्योंकि परमेश्वर के साथ विश्वासघात और यौन संबन्ध में विश्वासघात का बाइबल में उभयनिष्ठ तुलना है।

(यह भी देखें: व्यभिचार, झूठे देवता, वैश्या, अविश्वासी)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 15:19–21
- प्रे.का. 21:25–26
- कुलुस्सियों 03:5–8
- इफिसियों 05:3–4
- उत्पत्ति 38:24–26
- होशे 04:13–14
- मत्ती 05:31–32
- मत्ती 19:7–9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2181, H8457, G1608, G4202, G4203

व्यर्थ

परिभाषा:

शब्द "व्यर्थ" और "निस्सारता" शब्द ऐसी स्थिति का वर्णन करते हैं जो किसी काम की नहीं है या अत्यधिक अस्थायी है।

- पुराने नियम में मूर्तियों को "व्यर्थ" वस्तुएं कहा गया है जो निकम्मी है और कुछ कर नहीं सकती हैं।
- यदि कोई काम "व्यर्थ" में किया गया है तो इसका अर्थ है कि उसके लिए किए गयी प्रयास या कार्य कुछ भी उपलब्ध नहीं कर पाए हैं। "व्यर्थ में", इस उक्ति का अनुवाद विभिन्न रूपों में किया जा सकता है, जैसे: "परिणाम के बिना;" "कोई परिणाम नहीं?" "निरर्थक", "अकारण", या "निरुद्देश्य"
- प्रकरण के अनुसार "व्यर्थ" शब्द का अनुवाद हो सकता है, "खाली" या "निकम्मा" या "निराशाजनक" या "घटिया" या "अर्थहीन" हो सकता है।

(यह भी देखें: झूठे ईश्वर, योग्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 15:1–2
- 1 शमूएल 25:21–22
- 2 पतरस 2:18
- यशायाह 45:19
- यिर्मयाह 2:29–31
- मत्ती 15:9

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1891, H1892, H2600, H7307, H7385, H7387, H7723, H8193, H8267, H8414, G945, G1500, G2756, G2758, G2761, G3151, G3152, G3153, G3155

व्यवस्था

परिभाषा:

“व्यवस्था” वैधानिक नियम होते हैं, जो प्रायः लिखे हुए रहते हैं और अधिकारी द्वारा लागू किए जाते हैं। “सिद्धान्त” निर्णय लेने और व्यवहार करने के दिशा-निर्देशक नियम हैंजो प्रायः लिखित रूप में नहीं होते हैं और बलात लागू नहीं किए जाते हैं| तथापि, कभी-कभी "व्यवस्था" को भी "सिद्धांत" रूप में काम में लिया जाता है|

- "व्यवस्था" एक "आदेश" के तुल्य है, लेकिन "व्यवस्था" शब्द का प्रायः उच्चारित की अपेक्षा लिखित का सन्दर्भ देता है।
- “व्यवस्था” और "सिद्धान्त" दोनों ही मनुष्य के व्यवहार के दिशा-निर्देशक सामान्य नियम या मान्यताएँ होते हैं।
- “व्यवस्था” का अर्थ “मूसा की व्यवस्था” के अर्थ से भिन्न है क्योंकि वे परमेश्वर द्वारा इस्राएल को दी गई आज्ञाएँ एवं निर्देशन थे।
- जब एक सामान्य नियमों को "व्यवस्था" संदर्भित किया गया हो तो इसका अनुवाद हो सकता है, “सिद्धान्त” या “सार्वजनिक नियम”

(यह भी देखें: मूसा की व्यवस्था, आदेश, आज्ञा, घोषणा)

बाइबल संदर्भ:

- व्यव. 4:2
- एस्तेर 3:8–9
- निर्गमन 12:12–14
- उत्पत्ति 26:5
- यूह. 18:31
- रोमियो 7:1

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H1285, H1881, H1882, H2706, H2708, H2710, H4687, H4941, H6310, H7560, H8451, G1785, G3548, G3551, G4747

व्यवस्था

परिभाषा:

सर्वाधिक भाषा में "व्यवस्था" शब्द का सन्दर्भ शासन या निर्देशनों से है जिनका पालन करना अनिवार्य होता है| बाईबल में, व्यवस्था का प्रायः सामान्य उपयोग उस हेर एक बात वरन सब बातों के लिए किया गया है जिन्हें परमेश्वर चाहता है कि उसकी प्रजा पालन करे और उन पर चले| यह विशिष्ट शब्द, "मूसा की व्यवस्था" उन आज्ञाओं और निर्देशनों के सन्दर्भ में है जिन्हें परमेश्वर ने इस्राएल द्वारा पालन करने हेतु मूसा को दीए थे|

- प्रकरण के आधार पर “व्यवस्था” का अभिप्राय होगाः
    - पत्थर की पट्टियों पर इस्राएल के पालन करने हेतु परमेश्वर द्वारा दस आज्ञाएं।
    - मूसा को दिए गए सब नियम
    - पुराने नियम की पहली पांच पुस्तकें
    - संपूर्ण पुराना नियम (जिसे नये नियम में पवित्रशास्त्र कहा गया है।)
    - परमेश्वर के सब आदेश एवं इच्छा
- “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” नये नियम में इब्रानी धर्मशास्त्र (या पुराने नियम) के लिए काम में ली गई उक्ति है।

अनुवाद के सुझाव

- इस शब्द का अनुवाद बहुवचन में “व्यवस्थाएं” किया जा सकता है क्योंकि वे अनेक निर्देशनों के सन्दर्भ में हैं।
- “मूसा की व्यवस्था” का अनुवाद हो सकता है, “इस्राएल को देने के लिए परमेश्वर ने मूसा को जो नियम सुनाए”।
- प्रकरण के आधार पर “मूसा की व्यवस्था” का अनुवाद यह भी हो सकता है, “मूसा को सुनाए गए परमेश्वर के नियम” या “मूसा द्वारा लिखे गए परमेश्वर के नियम” या "नियम जो परमेश्वर ने इस्राएलियों को देने के लिए मूसा को दिया था"
- “व्यवस्था” या “परमेश्वर की व्यवस्था” या “परमेश्वर की विधियां” इनका अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर से प्राप्त नियम” या “परमेश्वर की आज्ञाएं” या “परमेश्वर ने जो नियम दिए” या “परमेश्वर द्वारा आदेशित सब बातें” या “परमेश्वर के सब आदेश”
- “यहोवा की व्यवस्था” का अनुवाद इस प्रकार भी हो सकता है, “यहोवा की व्यवस्था” या “ पालन करने हेतु परमेश्वर द्वारा उच्चारित नियम” या "यहोवा प्रदत्त नियम" या “यहोवा की आज्ञानुसार बातें”

(यह भी देखें: निर्देश, मूसा, दस आज्ञाएं, उचित, यहोवा)

बाइबल संदर्भ:

- प्रे.का. 15:6
- दानिय्येल 9:13
- निर्गमन 28:42–43
- एज्रा 7:25–26
- गलातियों 2:15
- लूका 24:44
- मत्ती 5:18
- नहेम्याह 10:29
- रोमियो 3:19

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **13:7** परमेश्वर ने और भी बहुत सी **विधियां** व नियमों का पालन करने के लिये कहा। यदि वह लोग इन **व्यवस्थाओं** का पालन करेंगे, तो परमेश्वर अपनी वाचा के अनुसार उन्हें आशीष और उनकी रक्षा करेंगा। यदि वे इन नियमों का पालन नहीं करेंगे तो वह दण्ड के पात्र बनेंगे।
- **13:9** जो कोई भी **परमेश्वर के व्यवस्था** का उल्लंघन करता है, वह मिलापवाले तम्बू के सामने वेदी पर परमेश्वर के लिये पशु का बलिदान चढ़ाएगा।
- **15:13** तब यहोशू ने इस्राएलियों को वह वाचा याद दिलाई जो उन्होंने परमेश्वर के साथ सीनै पर्वत पर बाँधी थी, कि वह उसका पालन करेंगे। इस्राएलियों ने वाचा बाँधी थी कि वे परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहेंगे व उसकी **आज्ञाओ** का पालन करेंगे।
- __16:1__यहोशू के मरने के बाद, इस्राएलियों ने परमेश्वर की आज्ञा का पालन नहीं किया और न ही **परमेश्वर की व्यवस्था** का पालन किया और न ही बचे हुए कनानियो को बाहर निकाला।
- **21:5** नई वाचा में परमेश्वर अपनी **व्यवस्था** उनके हृदय पर लिखेगा, और लोग परमेश्वर को जानेंगे कि वह परमेश्वर के लोग है, और परमेश्वर उनका अधर्म क्षमा करेगा।

व्यवस्था पालन

- **27:1** यीशु ने उत्तर दिया, "**परमेश्वर की व्यवस्था** में क्या लिखा है?"
- **28:1** यीशु ने उससे कहा, "तू मुझे 'उत्तम' क्यों कहता है?" जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है। लेकिन यदि तू अनन्त जीवन का वारिस बनना चाहता है, तो **परमेश्वर की आज्ञाओं** का पालन करना।"

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H430, H1881, H1882, H2706, H2710, H3068, H4687, H4872, H4941, H8451, G23160, G35510, G35650

व्यवस्था पालन

परिभाषा:

"व्यवस्था पालन" अर्थात् व्यवस्था या अन्य अनिवार्यताओं के अनुसार अनुमति प्राप्त। इसका विलोम "व्यवस्था विरोधी" अर्थात् "व्यवस्था का पालन नहीं करना।"

- बाइबल में यदि किसी बात को "उचित" कहा गया है तो इसका अर्थ है कि वह परमेश्वर की व्यवस्था में अनुमति प्राप्त है, या मूसा की व्यवस्था या यहूदी रीतियों के अनुसार है। जो "व्यवस्था के विरुद्ध" है, उसका अर्थ है, नियमों के अनुसार "जिसकी अनुमती नहीं दी गई है।"
- "व्यवस्था के अनुसार कुछ करने" का अर्थ है, "न्यायोचित" होना या "सही करना।"
- यहूदी नियमों में जो अनेक बातें उचित या अनुचित मानी जाती थीं वे परमेश्वर की व्यवस्था से सुसंगत नहीं थीं जैसे, मनुष्यों से प्रेम करना।।
- प्रकरण के अनुसार "व्यवस्था पालन" काअनुवाद हो सकता है, "अनुमति प्राप्त" या "परमेश्वर की व्यवस्था के अनुसार" या "अपने नियमों के पालन में" या "उचित" या "सुसंगत"
- "क्या यह व्यवस्था है" इसका अनुवाद हो सकता है, "क्या हमारी परम्पराएंअनुमति देती हैं?" या "क्या यह व्यवस्था के अनुरूप है"

"व्यवस्था विरोधी" और " अवैध" शब्दों का उपयोग उन कार्यों का वर्णन करने के लिए किया जाता है जो व्यवस्था के किसी नियम को तोड़ते हैं।

व्यवस्था पालन

- नए नियम में, "व्यवस्था के विरुद्ध" शब्द का उपयोग न केवल परमेश्वर के नियमों को तोड़ने से संबंधित है परन्तु मानव निर्मित यहूदी नियमों को तोड़ने के लिए भी किया जाता था।
- वर्षों के अंतराल में, यहूदियों ने परमेश्वर द्वारा उन्हें दिए गए नियमों में परम्पराओं को जोड़ दिया था। यहूदी अगुवे कुछ बातों को "व्यवस्था के विरुद्ध" कहते थे यदि वे उनके मानव निर्मित नियमों के अनुरूप नहीं होती थीं।
- जब यीशु और उसके चेले सब्त के दिन अनाज तोड़ रहे थे, तब फरीसियों ने उन पर “व्यवस्था के विरुद्ध” काम करने का आरोप लगाया क्योंकि वे उस दिन काम न करने की यहूदी व्यवस्था को तोड़ रहे थे।
- जब पतरस ने कहा कि उसके लिए अशुद्ध भोजन सामग्री खाना "व्यवस्था के विरुद्ध" था, तो उसका मतलब था कि अगर उसने उस भोजन सामग्री को खा लिया तो वह परमेश्वर की व्यवस्था को तोड़ देगा जो परमेश्वर ने इस्राएलियों को भोजन सम्बंधित नियमावली में निर्दिष्ट की थी।

"अराजकता" शब्द एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो नियमों या अधिनियमों का पालन नहीं करता है। जब कोई देश या समुदाय "अराजकता" की स्थिति में होता है, तो व्यापक अवज्ञा, विद्रोह या अनैतिकता फैल जाती है।

- व्यवस्था विरोधी व्यक्ति विद्रोही होता है और वह परमेश्वर के नियमों का पालन नहीं करता है।
- प्रेरित पौलुस ने लिखा कि अंतिम दिनों में “अधर्म का मनुष्य” या “अधर्मी जन” होगा, जो बुरे काम करने के लिए शैतान से प्रभावित होगा।

अनुवाद के सुझाव:

- "व्यवस्था के विरुद्ध" इसका अनुवाद एक ऐसे शब्द या एक ऐसी अभिव्यक्ति के द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ हो, "नियम विरोधी" या "कानून ताड़ने का।"
- "व्यवस्था के विरुद्ध" का अनुवाद करने के अन्य रूप हो सकते हैं, "अनुमति रहित" या "परमेश्वर की व्यवस्था के अनुसार नहीं" या "हमारे नियमानुसारनहीं।"
- "व्यवस्था विरोधी" "अवैध" का सहार्थी ही है।
- "व्यवस्था विरोधी" शब्द का अनुवाद "विद्रोही" या "अवज्ञाकारी" या "नियमों की अवहेलना" के रूप में भी किया जा सकता है।
- शब्द "अराजकता" का अनुवाद हो ससकता है, "किसी भी नियम का पालन नहीं करना" या "विद्रोह (परमेश्वर के नियमों के विरुद्ध)"
- "अधर्मी पुरुष" का अनुवाद "उस व्यक्ति के रूप में किया जा सकता है जो किसी भी नियम का पालन नहीं करता है" या "परमेश्वर के नियमों के विरुद्ध विद्रोह करने वाले व्यक्ति "।
- यदि संभव हो तो इस शब्द की अवधारणा को "व्यवस्था" रखना महत्वपूर्ण है।
- ध्यान दें कि "व्यवस्था के विरुद्ध" शब्द का इस शब्द से अलग अर्थ है।

(यह भी देखें: व्यवस्था, व्यवस्था, मूसा, सब्त)

व्याकुल

बाइबल सन्दर्भ:

- मत्ती 7:21–23
- मत्ती 12:2
- मत्ती 12:4
- मत्ती 12:10
- मरकुस 3:4
- लूका 6:2
- प्रेरि. 2:23
- प्रेरि. 10:28
- प्रेरि. 22:25
- 2 थिस्स. 2:3
- तीतु. 2:14
- 1 यूह. 3:4–6

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H6530, G01110, G01130, G02660, G04580, G04590, G18320, G35450

व्याकुल

तथ्य:

व्याकुल का अर्थ है किसी हानि के प्रति सतर्क करना। "घबरा जाना" किसी खतरनाक या डरावनी बात से चिन्तित एवं भयभीत होना।

- राजा यहोशापात मोआबियों द्वारा यहूदा पर आक्रमण करने की योजना के बारे में सुनकर घबरा गया था।
- यीशु ने अपने शिष्यों से कहा कि जब वे अन्तिम दिनों में मुसीबतों की चर्चा सुनें तो घबराएं नहीं।
- "तुरहियों को साँस बाँधकर फूँकना" अर्थात सतर्क करना। प्राचीन युग में मनुष्य तुरहियों को साँस बाँधकर फूँकना बजाकर चेतावनी देता था।

अनुवाद के सुझाव

- "किसी को घबरा देना" अर्थात "किसी को चिन्तित करना" या "किसी को परेशानी में डाल देना"।
- "घबराना" का अनुवाद हो सकता है, "चिन्तित होना" या "डर जाना" या "बहुत परेशान हो जाना"।
- "तुरहियों को साँस बाँधकर फूँकना" का अनुवाद "सार्वजनिक चेतावनी" या "संकट के आने की घोषणा" या "खतरे के बारे में चेतावनी देने के लिए तुरही फूंका"।

(यह भी देखें: यहोशापात, मोआब)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 11:44–45
- यिर्मयाह 04:19–20
- गिनती 10:9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7321, H8643